राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | विक्रम संवत - 2081, मार्गशीष , कृष्ण पक्ष | ई बुलेटिन मासिक: नवम्बर - 2024

सुपोषण जागरूकता अभियान-2024

(1 सितम्बर -30 सितम्बर 2024)

सुपोषण कार्यक्रम वृत्त - कुल कार्यक्रम -14347

प्रान्त	जिले	सेवा बस्ती	अन्य गाँव
26	313	1724	1495

259 नुक्कड़ नाटक	7368 पत्रक वितरण	2257 गोष्ठियां	81 स्वास्थ्य शिविर	24 लघु फिल्म
51 निबंध प्रतियोगिता	490 पोस्टर स्पर्धा	151 दीवार लेखन	35 सोशल मीडिया एवं पत्रिकाओं के लिए लेख	1836 बस्ती बैठक ग्राम सभा

985 पोस्टर	381 रैली	58 सोशल मीडिया कैम्पेनिंग	100 अन्य

कुल कार्यकर्ता	कुल स्थान	कुल लाभार्थी
24455	6422	560909

13122	शिक्षा
7343	स्वास्थ्य
5808	सामाजिक
4556	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय - झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा **30829** सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

सुपोषण जागरूकता अभियान 2024
अभियान की झलकियाँ

प्रान्त: मालवा | सुपोषण अभियान बल संस्कार केंद्र

प्रान्त: गुजरात | सुपोषण रैली

प्रान्त: जम्मू | सुपोषण जागरूकता संगोष्ठी

प्रान्त: झारखण्ड | सुपोषण जागरूकता बैठक

प्रान्त: जयपुर | सुपोषण जागरूकता अभियान

प्रान्त: पंजाब | सुपोषण पत्रक वितरण

प्रान्त: दक्षिण असम | सुपोषण अभियान सेवा बस्ती

प्रान्त: सौराष्ट्र | सुपोषण जागरूकता संगोष्ठी

प्रान्त: असम

सेवा भारती असम द्वारा सिउ-का-फा हॉस्पिटल में श्री विजय पुराणिक द्वारा हॉस्पिटल के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को प्रेरणादायक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

प्रान्त: पंजाब

राष्ट्रीय सेवा भारती के तत्वावधान में समर्पण फाउंडेशन द्वारा आदर्श कुष्ठ आश्रम होशियारपुर में मेडिकल कैंप लगाया गया। कुष्ठ रोगियों की शल्यक्रिया करके पट्टी बांधी गई और नि:शुल्क दवाइयां वितरण की गई।

प्रान्त: गौरक्ष

सेवा भारती महराजगंज ने सेवा सप्ताह के स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दिनांक 27 अक्टूबर 2024 को काली मंदिर प्रागण में निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जिसमे कुल 300 लोगो का निः शुल्क स्वास्थ परिक्षण करने के पश्चात औषधि वितरण किया गया।

प्रान्त: मध्य भारत

सेवा भारती मध्यभारत द्वारा भिंड मे चलित चिकित्सा वाहन का शुभारंभ हुआ। जिसका उद्देश्य तात्कालिक प्राथमिक उपचार व्यवस्था सुदूर ग्रामीण अंचल तक पहुंचाना है।

प्रान्त: अवध

सेवा भारती अवध प्रांत की योजना बैठक का आयोजन हुआ जिसका उद्देश्य सेवा भारती के कार्यों को नई दिशा और गति देना है। इस अवसर पर सेवा भारती अवध प्रांत की ई-पत्रिका का शुभारंभ भी किया गया। जो संगठन की गतिविधियों, योजनाओं और सेवा कार्यों को व्यापक रूप से जनमानस तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगी।

प्रान्त: अरुणाचल

सेवा भारती अरुणाचल प्रदेश ने तिराप जिले के देओमाली नगर स्थित गवर्नमेंट मिडिल स्कूल में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें सही कैरियर दिशा के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

प्रान्त: पंजाब

सेवा भारती गुरदासपुर ने "गुरदासपुर मैडिसिटी" के सहयोग से आनंद मॉडर्न स्कूल में निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण से हुई। इस कैंप में 181 रोगियों का विभिन्न डॉक्टरों द्वारा चेकअप किया गया और सभी को निशुल्क दवाइयां प्रदान की गई।

प्रान्त: जोधपुर

सेवा भारती अनूपगढ़ व NMO के संयुक्त तत्वावधान में सीकलीगर बस्ती के कुपोषित बच्चों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 45 बच्चों के स्वास्थ्य की जांच एवं उपचार किया गया।

प्रान्त: मालवा

सेवा भारती मालवा प्रान्त,खंडवा विभाग द्वारा चंपा तालाब बस्ती के केशव संस्कार केंद्र के पास चौराहे पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाई वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें खंडवा के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी निःशुल्क सेवाएं दी, जिनसे लगभग 200 की संख्या में जनमानस ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया तथा उन्हें आवश्यकतानुसार दवाइयां उपलब्ध कराई गई।

प्रान्त: जयपुर

प्रांतीय सेवा भारती समिति जयपुर द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मासिक ई -बुलेटिन के प्रथम अंक का विमोचन मा. सुरेश भैय्याजी जोशी द्वारा किया गया।

प्रान्त: उत्तर असम

गत 17 अक्टूबर 2024 को सेवा भारती मेघालय की राज्य कार्यकारिणी की बैठक शिलांग के सेवा भारती कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री आदरणीय विजयराव पुराणिक जी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता सेवा भारती मेघालय की अध्यक्ष श्रीमती लाकमेन लिंगडो और बैठक का संचालन सेवा भरती मेघालय के सचिव श्री येसिनं खिवताम ने किया। गत वर्ष के कार्यवृत्त का अहवाल सबके सामने रखा गया। बैठक में संघशताब्दी के निमित्त सेवा भारती के कार्य का विस्तार किस पद्धति से हो, इस विषय पर चर्चा हुई। अनन्य प्रांत से सेवाभारती के छात्रावासों से पढ़कर आए विद्यार्थीयो का संपर्क और उनको अपने कार्य मे सक्रिय करना, लोकसंग्रहित कार्यक्रमों की रचना कैसे कर सकते है, इस संदर्भ में चर्चा हुई। इस बैठक मे आदरणीय विजयराव पुराणिक जी का मार्गदर्शन सभी को मिला। बैठक में कुल 21 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

सेवा भारती जम्मू कश्मीर और ह्यूमैनिटी चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से गंदोह भलेसा में नि:शुल्क हृदय जाँच शिविर आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य वंचित जनों को ईसीजी और परामर्श सहित हृदय देखभाल सेवाएं प्रदान करना था। शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञों और पैरामेडिकल स्टाफ ने हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और निवारक उपायों के बारे मई भी बताया।

प्रान्त: झारखण्ड

सेवा भारती झारखंड द्वारा आयोजित छह दिवसीय आचार्य सेवा प्रशिक्षण वर्ग का समापन 20 अक्टूबर 2024 को बोकारो के डॉ. एस. राधाकृष्णन कॉलेज में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें 12 जिलों से 115 महिला कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रान्त: मध्य भारत

सेवा भारती, राजगढ़ ने स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सीरीज़ निर्माण का प्रशिक्षण दिया, जिससे वे आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ सकें।

प्रान्त: मालवा

सेवा भारती मालवा प्रांत और भैया जी दाणी सेवा न्यास द्वारा 4 सितंबर 2024 को मानपुर क्षेत्र में चलित चिकित्सालय का शुभारंभ किया गया। यह सुदूर क्षेत्रों और सिकल सेल जैसी बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए वरदान है। चिकित्सा वैन सप्ताह में एक दिन विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं देगी, जिसमें डॉक्टर, नर्स और दवाएं उपलब्ध रहेंगी।

प्रान्त: उत्तर असम

सेवा भारती पूर्वांचल द्वारा संचालित और सेवा इंटरनेशनल यूनाइटेड किंगडम द्वारा समर्थित मोबाइल साइंस लैब परियोजना का शुभारंभ किया गया।

आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान

घुमन्तु जाति उत्थान न्यास- राजस्थान

जयपुर प्रान्त

■ **श्री महेंद्र सिंह**

यह कहानी है ऐसे लोगों की जिनका न घर है न ठिकाना और न ही राष्ट्रीय पहचान का कोई सूत्र। भारत के इतिहास के शूरवीर योद्धा; आक्रान्ताओं से प्रथम पंक्ति में लोहा लेने वाले सुरक्षा के लिए एक बार घर छोड़ कर क्या निकले देश के आजाद होने के लम्बे अन्तराल तक विजनों एवं नगर गाँव के किनारे या बस्तीयों के बाहर ही जीवन यापन कर रहे। सर्व समाज में भारत के हित चिंतन की धारा के व्यक्ति इन वंचित, पीड़ित, उपेक्षित एवं अभावग्रस्तों को कैसे नजर अंदाज कर सकते थे। इनको सेवा द्वारा सबल बना राष्ट्र की मुख्य धारा में स्थापित करने 'विमुक्त घुमन्तु उत्थान' के संकल्प के साथ निकले थे। देश के अनेक भागों में इनके उत्थान की सफल कहानियाँ हैं और ये कहानियाँ उस समय और प्रभावी बन जाती है जब कल का सेवित जन आज का सेवक भी बन जाये। आओ कुछ ऐसी ही अनसुनी जीवन स्थापना के मंत्रों की कहानियाँ सुनाते हैं -

घुमन्तु विभाग अलवर, जयपुर प्रांत

घुमन्त स्वरोजगार केन्द्र, यहाँ गाड़ीयों में घुमन्तु जीवन यापन करने वाले राणा प्रताप के सिपाही एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं। संघ के स्वयंसेवक घुमन्तु जाति सेवा के लिए विभाग का कार्य देखने वाले अश्विन जी ने इन गाडिया लुहारों से सम्पर्क किया। कई सप्ताह के स्नेहिल व्यवहार से अपनी व्यथा की कथा इन लोगों ने खोलना शुरू किया। लोहे के छोटे-छोटे कृषि औजार बनाकर बेचने से गुजारा हो जाता था पर अब वह भी सम्भव नहीं रहा। अश्विन जी ने सभी पक्षों पर चर्चा जारी रखी एवं एक दिन बालकों की पढ़ाई लिखाई की बात शुरू की तो पता चला विद्यालय दूर है और बच्चों का अन्य के साथ बैठने में संकोच आदि कठिनाइयाँ आने की बात हुई। तय हुआ एक बाल संस्कार शुरू करते हैं। इसका नाम रखा 'पन्नाधाय बाल संस्कार केन्द्र'। यहाँ सायं 4 से 5 बजे तक पढ़ाई, खेलकूद, गीत, कविता एवं संस्कारों के साथ बच्चों को आनन्द आने लगा। बालकों के बाद बातचीत में नम्बर आया बड़ों का। बात रोजगार के साधन क्या हों के साथ शुरू हुई और मिलकर निर्णय हुआ कि एक स्थान पर निवास कर रोजगार के लिए कुछ उपक्रम किया जाए। तय हुआ एक युवा रोहिताश लुहार को हाथ ठेला पर सब्जी बेचने का कार्य करना चाहिए। रोहिताश को यह कार्य पसंद आया। सब्जी के साथ फलों की बिक्री का कार्य भी शुरू किया। प्रति दिन अच्छी आमदनी होने से परिवार आर्थिक तंगी से उबरने लगा। रोहिताश ने अपने बेटे राज और बेटी संजू लोहार को स्वयंसेवकों के सहयोग से आदर्श विद्या मंदिर में अध्ययन के लिए प्रवेश दिलाया। अब संजू और राज कक्षा 6 में पढ़ रहे हैं। दर बदर भटकने वाला रोहिताश किराये का मकान लेकर रहने लगा है | परिवार के पास आज पहचान के लिए आधार, जनाधार, आरोग्य कार्ड, राशन कार्ड आदि हैं। रोहिताश सभी प्रकार के व्यसनों से मुक्त होकर समाज की मुख्य धारा में जीवन जी रहा है।

रोहिताश कहता है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि इतनी मान सम्मान की जिन्दगी के साथ आनन्द से अपने परिवार को संभाल सकूँगा।" रोहिताश अक्सर अपमान, उपेक्षा एवं दर-बदर जिंदगी का आदी हो गया था। पेट की भूख से अधिक सम्मान की भूख की पूर्ति समाज से होने के कारण बात करते करते कभी-कभी चुपके से गीली आँखें पोंछ जाता है। इस बस्ती में कुल 23 हाथ ठेले देकर युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। सभी की कहानी रोहिताश के जैसी है।

अब पिछडी बस्तीयों, घुमन्तु समाज के रोहिताशों की भूख अपने देश

समाज के लिए कुछ करने की। इसी को पहचान कर उस बस्ती के अन्य युवा जिनमें शरती लुहार, राज लुहार (कक्षा 11वीं) एवं संजय लुहार (कक्षा 12वीं) अध्ययन करते हुए राष्ट्र की मुख्य धारा में जीवन जीने का सपना सजो अपने देश, समाज के लिए अधिकतम समय अर्पण कर रहे हैं। आज बस्ती के अधिकतर लोगों की पहचान सम्मानित समाज जन के साथ आधार, जनाधार, राशन कार्ड, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना जेसे अनेक पहलुओं के साथ सरकार की स्वावलम्बी जीवनदायी योजनाओं से जुड़ चुके हैं। यह बस्ती अग्रसेन चौराहा बस्ती अब खुशहाल घुमन्तु परिवारों का ठिकाना बन गई है। अब प्रश्न है की इस सब का निमित्त कौन ?

न्यास का परिचय

हमारी पुरातन समाज व्यवस्था में प्रत्येक बिरादरी का अपने कार्य के आधार पर सम्मानजनक स्थान रहा है। मुगलों की तरह अंग्रेजों द्वारा भी अनेक पराक्रमी जातियों को लक्ष्य बनाकर अत्याचार का शिकार बनाया गया। इन जातियों ने स्वधर्म की पालना के लिए घर छोड कर भयावह जीना स्वीकार किया। अंग्रेजों ने धृष्टतापूर्वक हमारे सामाजिक ताने बाने को ध्वस्त कर दिया। इतिहास को विकृत कर भ्रांत धारणाओं को स्थापित करने का कार्य किया। जिस कारण पराक्रमी हिंदू समाज अभिशप्त एवं अपमान जनक जीवन जीने को विवश हुआ I

1857 के समर में इन ययावर जातियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कारण 1871 में इन घुमन्तु जनजातियों को अंग्रेजों ने अपराधी घोषित कर दिया। स्वतन्त्रता के पश्चात 1952 में इन घुमन्त जनजातियों को अपराधी कहलाने के अभिशाप से मुक्ति मिली। किंतु आज भी हिन्दू समाज का यह बहुत बड़ा वर्ग सम्मानजनक जीवन जीने की प्रतिक्षा कर रहा है। इन जनजातियों में आत्मपरिष्कार की प्रबल अकुलाहट दिखाई देती है। आज आवश्यकता है कि हम सब मिलकर देश के विकास की मुख्य धारा में पिछड़ गये, अपने घुमन्तु जाति बन्धुओं को हाथ पकड़कर मुख्यधारा में सम्मिलित करें। इसी लक्ष्य की पूर्ति हेतु घुमन्तु जाति न्यास कार्य कर रहा है।

संपर्क सूत्र : पीयूष साहू
✆: 8770015158

तेलंगाना प्रान्त :

सेवा भारती तेलंगाना द्वारा 2017 से प्रतिवर्ष हैदराबाद में किशोरी विकास योजना के संचालन हेतु धन संग्रह के लिए आयोजित किये जा रहे प्रमुख कार्यक्रमों की 9वीं कड़ी के रूप में रविवार, 09 फरवरी 2025 को "RUN FOR A GIRL CHILD" का आयोजन किया जा रहा है। किशोरी विकास योजना में किशोरियों को जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है, उन्हें शिक्षा, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से सम्बंधित जानकारी उपलब्ध करायी जाती है।

गत माह प्रान्तों में मनाएं गए त्योहारों एवं कार्यक्रमों की झलकियाँ

हिमाचल प्रदेश नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह के दीपकों के पैकेट मंडी छात्रावास के बच्चों और कार्यकर्ताओं द्वारा तैयार किए गए(3)

सेवा बस्ती के बाल संस्कार केंद्र के बच्चों के साथ कन्या पूजन और वार्षिकोत्सव, अवध

बाल संस्कार केदो में दीपावली मिलन का कार्यक्रम, जम्मू

दिशा छात्रावास जम्मू कश्मीर के छात्र दीपावली के लिए दीए बनाते हुए

करवा चौथ पर मेहंदी लगाने की मुहिम शुरू करी राजपुरा, पंजाब

विराज बाल भवन स्कूल जम्मू में लाल बहादुर जी या गांधी जी जयंती मनाई गई

राष्ट्रीय सेवा भारती के सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

राष्ट्रीय सेवा भारती
वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618, मोबाइल न. 09868245005